उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

प्रथम सेमेस्टर :–

1. संचार सिद्धान्त।
2. पत्रकारिता का इतिहास।
3. रिपोर्टिंग।
4. सम्पादन।
5. सामान्य अध्ययन एवं समसामयिक घटनाक्रम।

द्वितीय सेमेस्टर :–

6. प्रेस कानून।
7. विज्ञापन।
8. जनसंपर्क।
9. रेडियो।
10. प्रोजेक्ट एवं मीडिया प्रशिक्षण।

तृतीय सेमेस्टर :–

11. टेलीविजन पत्रकारिता।
12. मीडिया शोध।
13. संस्कृत पत्रकारिता।
14. विकास संचार।
15. सूचना तकनीक एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग।

चतुर्थ सेमेस्टर :–

16 अन्तर्राष्ट्रीय संचार।
17. सिनेमा।
18. मीडिया उद्यमिता एवं प्रबन्धन।
19. न्यू मीडिया एवं साइबर कानून।
20. लघुशोध प्रबन्ध या प्रोजक्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रशिक्षण।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

प्रथम सेमेस्टर :–

1. संचार सिद्धान्त।
2. पत्रकारिता का इतिहास।
3. रिपोर्टिंग।
4. सम्पादन।
5. सामान्य अध्ययन एवं समसामयिक घटनाक्रम।

1.संचार सिद्धान्त :

इकाई–1
संचार एवं जनसंचार की परिभाषा, अवधारणा, कार्य, महत्व।
संचार –सामाजिक विज्ञान के रूप में, संचार की उपयोगिता,संचार और भाषा,संचार एवं सूचना।
यूनिट –2
संचार के प्रकार, मौखिक (बर्बल), अमौखिक (नोन बर्बल), अंतःवैयक्तिक (इंट्रा पर्सनल,) अंर्तवैयक्तिक (इंटर पर्सनल,) समूह संचार (ग्रुप कम्यूनिकेशन,) जनसंचार (मास कम्यूनिकेशन)।
इकाई –3
संचार के मॉडल एवं प्रमुख सिद्धांत– अरस्तू, लासवेल, शैनन एवं वीवर, विल्बर–श्रैम का सर्कुलर माडल। ओपीनियन लीडर, डॉंस प्रारूप।
जनसंचार के सिद्धांत :– प्रिंट मीडिया के परिप्रेक्ष्य में, नियामक सिद्धांत, दृश्य – श्रव्य माध्यमों के संदर्भ में, गणितीय सिद्धांत, द्विपदीय प्रवाह सिद्धांत, बुलेट सिद्धांत। उदारवादी, साम्यवादी एवं लोकतांत्रिक सिद्धांत। सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धान्त।
इकाई–4
जनसंचार को प्रभावित करने वाले कारक, सरकारें, राजनीति, बाजारवाद, अर्न्तराष्ट्रीय दबाव,जनसंचार के तत्व, जनसंचार की प्रक्रिया और प्रतिपुष्टि।
इकाई–5
संचार माध्यम : अखबार, पत्रिकाएं, रेडियो, टीवी, इंटरनेट व परम्परागत लोक माध्यम आदि।
जनसंचार माध्यमों की प्रकृति, अंतर्वस्तु, प्रभाव एवं सीमाएं।
भारत में जनसंचार की पहुंच, श्रोता–पाठकों की प्रकृति।
भारतीय जनसंचार सिद्धान्त : साधारणीकरण, नारद एवं अशोक का सिद्धान्त।

पाठ्य सामग्री :–

मास कम्युनिकेशन थ्योरी, मैक्वेल डेनिस, लंदन।
संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
द जर्नलिस्ट हैंडबुक, एमवी कामथ, विकास प्रकाशन, नई दिल्ली।
संचार क्रांति, नारायण मेनन, नेशनल बुक टस्ट, नई दिल्ली।
जनसंचार, आरके चटर्जी।
मास मीडिया टुडे इन इंडियन कॉनटेक्स्ट, सुबीर घोष, नई दिल्ली।
मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म इन इंडिया, एलाइड पब्लिशिंग, दिल्ली।
मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया, केवल जे0कुमार, जेको पब्लिकेशन।
मॉसकम्यूनिकेशन थ्योरी–फाउडेशन फरमेन्टेड फ्यूचर, स्टेनली जे बारन व डेनिस के. डेविस, थॉमसन वडसवर्थ।
संचार के मूल सिद्धान्त, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
कम्यूनिकेशन थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस, डॉ. ओ.पी. सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
आदि पत्रकार नारद एवं उनकी पत्रकारिता, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

2. पत्रकारिता का इतिहास

इकाई–1

–स्वतंत्रता से पूर्व भारत में जन माध्यमों की स्थिति, विकास और भूमिका। (भारतेन्दु युग,द्विवेदी युग एवं गांधी युग)। राजा राम मोहन राय एवं मनदमोहन मालवीय की पत्रकारिता।

इकाई –2

स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय जन माध्यमों की स्थिति,(नेहरू युग, आपातकाल, बाजारवाद का दौर), भारतीय पत्रकारिता की वर्तमान प्रवृतियां।

इकाई–3

– भारत में पारम्परिक जन माध्यमों का इतिहास एवं इसकी वर्तमान दशा, भविष्य।

इकाई–4

उत्तराखंड की पत्रकारिता का इतिहास, स्वतंत्रता से पूर्व के प्रमुख समाचार पत्र, स्वतंत्रता के पश्चात समाचार पत्र, उत्तराखंड में लघु समाचार पत्रों की स्थिति, उत्तराखंड के प्रमुख पत्रकार। संस्कृत पत्रकारिता की स्थिति।

इकाई –5

मुद्रण प्रणालियां, ऑफसेट मुद्रण,रोटरी मुद्रण,मुद्रण प्रौद्यौगिकी एवं उत्पादन प्रविधियां,लेटर प्रेस, ब्लाक निर्माण, स्क्रीन मुद्रण।

पाठ्य सामग्री –

– भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे नटराजन, प्रकाशन विभाग।
– पत्रकारिता का वृहद् इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन।
– हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, वेद प्रताप वैदिक।
– हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियॉ और पत्रकार, भगवती प्रसाद नौटियाल, बिनसर पब्लिशिंग कम्पनी, देहरादून।
– मॉसकम्प्यूनिकेशन इन इण्डिया, केवल जे कुमार, जायको पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

3. रिपोर्टिंग

यूनिट 01 :– समाचार : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा एवं मूल्य। समाचार के तत्व, प्रकार एवं स्रोत। समाचार की संरचना– इन्ट्रो व इसके प्रकार, इन्ट्रो के तत्व।

यूनिट 02 :– रिपोर्टिंग : प्रकृति, प्रकार एवं सिद्धान्त, रिर्पोटर के प्रकार, रिपोर्टिंग के प्रकार–खोजी एवं विश्लेषणात्मक।

यूनिट 03 :– विशेषीकृत रिपोर्टिंग : अपराध, न्यायालय, दुर्घटना, आपदा, दंगे, युद्ध, राजनैतिक रिपोर्टिंग, विधायिका की रिपोर्टिंग।

यूनिट 04 :– राजनीतिक रिपोर्टिंग, विज्ञान रिपोर्टिंग, खेल रिपोर्टिंग, आर्थिक विकास रिपोर्टिंग, सांस्कृतिक रिपोर्टिंग, सेमिनार/उत्सव रिपोर्टिंग। जन सभाएं, पर्यावरण, समाजिक मुद्दों की पत्रकारिता।

यूनिट 05 :– साक्षात्कार– प्रकार, उद्देश्य तकनीक। संवाददाता सम्मेलन की रिपोर्टिंग, फीचर लेखन, अग्रलेख।

पाठ्य सामग्री :–

एडवांस्ड जर्नलिज्म, आदर्श कुमार, हर आनंद पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
प्रोफेशनल जर्नलिज्म, एमवी कामथ, विकास पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
एडिटर्स ऑन एडिटिंग, एनबीटी, दिल्ली।
एडिटिंग एंड पब्लिशिंग–ए ट्रेनिंग मैनुअल, इयान मोंटेगनेस, आईआरआरआई।
पत्रकारिता के मूल तत्व, प्रो0 आशाराम डंगवाल, प्रकाश बुक–डिपो, बरेली।
फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ0 मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन।
फीचर लेखन, प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग।
समाचार एवं फीचर लेखन, डॉ. संजीव भनावत, पुलित्जर संचार अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर।
संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
साहित्यिक पत्रकारिता, डॉ. राममोहन पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
द न्यूज राइटर्स हैण्ड बुक, स्टीन एम.एल. और सुसैन एफ. पीटरनो, सुरजीत पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
फण्डामेंटल ऑफ रिपोर्टिंग एण्ड एडिटिंग, अम्बरीश सक्सेना, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

4. सम्पादन

यूनिट 01 :– संपादन : अर्थ, परिभाषाएं, उद्देश्य, संपादन का स्वरूप एवं आवश्यकता, समाचार कक्ष की संरचना, संपादकीय विभाग की संरचना एवं अन्य विभागों से उसका सम्बन्ध।

यूनिट 02 :– संपादन प्रक्रिया, दैनिक समाचार पत्रों में संपादन, पत्रिका संपादन, संपादन के उपकरण एवं प्रविधि।
शीर्षक :– तकनीकें, शैली, उद्देश्य, शीर्षकों के प्रकार।

यूनिट 03 :– प्रेस विज्ञप्ति सम्पादन, लेख/फीचर/टिप्पणी संपादन, एजेन्सी कॉपी संपादन, संपादन और विधिक प्रश्न।

यूनिट 04 :– संपादक के कर्त्तव्य एवं अधिकार, प्रिंट लाईन, संपादकीय, अनुवाद : उद्देश्य व तकनीक, प्रेस के लिए अनुवाद, गृह पत्रिका संपादन एवं उसके तत्व, पुनर्लेखन, प्रूफ संशोधन, फोटो संपादन के सिद्धान्त व महत्व।

यूनिट 05 :– ले आउट और डिजाइनिंग– डमी, पृष्ठ सज्जा, ले आउट, कार्टून, ग्राफिक्स, विशिष्ठ संस्करण के पेजों का निर्माण।

पाठ्य सामग्री :–

एडवांस्ड जर्नलिज्म, आदर्श कुमार, हर आनंद पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
प्रोफेशनल जर्नलिज्म, एमवी कामथ, विकास पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
एडिटर्स ऑन एडिटिंग, एनबीटी, दिल्ली।
एडिटिंग एंड पब्लिशिंग–ए ट्रेनिंग मैनुअल, इयान मोंटेगनेस, आईआरआरआई।
पत्रकारिता के मूल तत्व, प्रो0 आशाराम डंगवाल, प्रकाश बुक–डिपो, बरेली।
फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प–डॉ0 मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन।
फीचर लेखन, प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग।
द न्यूज राइटर्स हैण्ड बुक, स्टीन एम.एल. और सुसैन एफ. पीटरनो, सुरजीत पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
फण्डामेंटल ऑफ रिपोर्टिंग एण्ड एडिटिंग, अम्बरीश सक्सेना, नई दिल्ली।
आर्ट एण्ड प्रिंट प्रोडक्शन, एन.एन. सरकार, ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
प्रायोजन मूलक हिन्दी भाषा, तक्षसीला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

5. सामान्य अध्ययन एवं समसामयिक घटना क्रम

यूनिट 01 :– भारतीय संविधान का सामान्य परिचय, पंचायती राज, चुनाव एवं शासन, सरकार एवं मीडिया संबंध, केन्द्र एवं राज्य में सरकार निर्माण एवं कार्य प्रणाली।

यूनिट 02 :– चुनाव व्यवस्था, चुनाव आयोग : संरचना एवं कार्य। भारत में पंथ निरपेक्षता एवं सम्प्रदायिकता–समस्या एवं प्रवृत्ति, केन्द्र–राज्य सम्बन्धों पर विभिन्न आयोगों के रिपोर्ट।

यूनिट 03 :– भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप, विशेषताएं एवं चुनौतियां। समसामयिक मुद्दे–क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय। उत्तराखण्ड : परिचय, भाषा, लोक संस्कृति एवं पर्यावरण, चिपको आन्दोलन, उत्तराखण्ड की विभूतियां, उत्तराखण्ड का संस्कृत के प्रचार व प्रसार में योगदान।

यूनिट 04 :– अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का संक्षिप्त अध्ययन, भारत की विदेश नीति, संयुक्त राष्ट्र संघ और उनके प्राधिकार क्षेत्रीय संगठन– आसियान, सार्क, ब्रिक्स देश, भारत के चीन, पाकिस्तान एवं दक्षिण एशियाई देशों से सम्बन्ध।

यूनिट 05 :– अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समसामयिक घटनाएं। उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं बाजारवाद। कर सुधार : जी.एस.टी., स्वच्छता अभियान, नोटबन्दी, आतंकवाद व नक्सलवाद की समस्या।

पाठ्य सामग्री :–

- चौथे स्तंभ की चुनौतियां, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
- हमारा संविधान, सुभाष कश्यप, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली।
- प्रेस, पब्लिक ओपिनियम एंड गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, सुशील अग्रवाल।
- दैनिक अखबार व पत्रिकाएं–द हिन्दू, आउटलुक, इंडिया टुडे, हिन्दुस्तान, अमर उजाला,दैनिक जागरण, योजना, कुरुक्षेत्र, प्रतियोगिता दर्पण, मनोरमा ईयर बुक आदि।
- हमारी संसद, सुभाष कश्यप, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, दिल्ली।
- भारत का संविधान, डी0डी0 बसु, लेक्सिस नेक्सिस, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

द्वितीय सेमेस्टर :–

6. प्रेस कानून।
7. विज्ञापन।
8. जनसंपर्क।
9. रेडियो।
10. प्रोजेक्ट एवं मीडिया प्रशिक्षण।

6. प्रेस कानून

इकाई–1
प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं उसकी सीमाएं, सविधान के अनुच्छेद 19 एवं इससे संबधित धाराएं।
संसद–विधान मण्डलों के विशेषाधिकार, मीडिया से सम्बन्धित राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय नीतियां।
इकाई–2
भारत में प्रेस कानूनों का संक्षिप्त इतिहास, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण कानून, सूचना अधिकार अधिनियम 2005, सिनेमेटोग्राफी एक्ट–1952।
इकाई –3
श्रमजीवी पत्रकारों से सम्बन्धित एक्ट–1955, गोपनीयता कूनन 1923, अश्लीलता पर रोक संबधी कानून।
मानहानि एवं अवमानना कानून, न्यायालय की अवमानना, विशेषाधिकार।
इकाई –4
प्रसार भारती कानून, बौद्धिक संपदा कानून, पेटेंट एक्ट 2005, कॉपीराइट एक्ट।
इकाई–5
मीडिया आचार संहिता, पत्रकारों व प्रकाशकों का दायित्व,एडिटर्स गिल्ड,
प्रेस आयोग, प्रेस आयोग प्रथम एवं द्वितीय।

पाठ्य सामग्री :–

– प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत
– द लॉ आफ दि प्रेस इन इंडिया, दुर्गादास बसु
– रिपोर्ट्स ऑफ द फर्स्ट प्रेस कमीशन–1954, सेकेंड प्रेस कमीशन–1982
– हैंड बुक ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन, वीर बाला अग्रवाल और वी.एस. गुप्ता, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
– मीडिया एथिक्स, प्रराणजय गुहा ठाकुरता, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
– मीडिय लॉ एण्ड एथिक्स, एम. नीलामलार, पी.एच.आई. इण्डिया, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

7. विज्ञापन

इकाई –1

विज्ञापन – अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, एवं संभावनाएं। विज्ञापन के प्रकार। विज्ञापन का इतिहास, विज्ञापन का सामाजिक, आर्थिक व कानूनी पक्ष।

इकाई –2

विज्ञापन ऐजेंसी, संरचना, विज्ञापन की आचार संहिता, विज्ञापन का बजट, मीडिया प्लानिंग, विज्ञापन का प्रभाव, विज्ञापन शोध, उद्देश्य, प्रक्रिया एवं संभावनाएं।

इकाई –3

विज्ञापन कॉपी के तत्व, शीर्षक, बाडी, उदाहरण, स्लोगन, लोगो, पंचलाइन, विज्ञापन ले आउट, ब्राडकास्ट कापी के तत्व, विज्ञापन क्षेत्र की शीर्ष संस्थाएं एएससीआई, एएएआई ।

इकाई –4

उपभोक्ता व्यवहार, परिभाषा, मॉडल्स, ब्रांड मैनेजमेंट, ब्रांड की अवधारणा एवं स्वरूप।

विशेष : तुलनात्मक विज्ञापन, जनहित विज्ञापन, विज्ञापनों का प्रभाव (महिला,बच्चों व युवाओं के संदर्भ में)।

इकाई –5

विज्ञापन लेखन, विज्ञापन लेखन के प्रकार, विज्ञापन की भाषा, प्रिंट मीडिया के लिए विज्ञापन लेखन, टीवी के लिए विज्ञापन निर्माण, प्रक्रिया व प्रविधि, रेडियो के लिए विज्ञापन निर्माण। प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए विज्ञापन निर्माण में अंतर।

पाठ्य सामग्री :–

– एडवर्ट्राइजिंग मेड सिंपल, एफ जर्किंस, रूपा एंड कंपनी
– एडवर्टाजिंग मैनेजमेंट, अस्कर, मेयर एडं बर्ट,
– हिंदी विज्ञापनों की भाषा, आशा पांडेय,
– विज्ञापन कला, एकेश्वर हटवाल,
– विज्ञापन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
– एडवरटाईजिंग मैनेजमेन्ट, जे. एन. जेठवानी और श्रुति जैन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
– फाउण्डेशनस ऑफ एडवरटाइजिंग–थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस, एस.ए. चूनावाला और के.सी. सेठिया, हिमालयन पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

8. जनसंपर्क

इकाई –1
जनसंपर्क– अवधारणा,उद्भव , विकास एवं महत्व। जनसंपर्क के कार्य। जनता– आन्तरिक एवं बाह्य। कानूनी एवं नैतिक पहलू।
इकाई –2
जनसंपर्क अधिकारी : कार्य एवं उत्तरदायित्व, योग्यता, कार्य की चुनौतियां। जनसंपर्क के विविध आयाम–विपणन,(मार्केटिंग) लॉबीइंग, प्रचार, प्रोपेगंडा,छवि निर्माण, (इमेज बिल्डिंग), छदम छवि निर्माण, (सूडो इमेज बिल्डिंग), मार्केटिंग स्ट्रेटजी, इवेंट मैनेजमेंट आदि।
इकाई –3
जनसंपर्क के उपकरण : गृह पत्रिका, (हाउस जर्नल) ब्रोशर, न्यूज लेटर, विज्ञप्ति, प्रेस सम्मेलन (प्रेस कांफ्रेंस), पैंफलेट, आदि।
जनसंपर्क के माध्यम– प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, न्यू मीडिया, पारम्परिक मीडिया, सेमिनार, प्रदर्शनी, मेला।
इकाई –4
कारपोरेट कम्यूनिकेशन, आंतरिक व बाह्य जनसंपर्क, वैश्वीकरण,जनसंपर्क शोध, इवेंट मैनेजमेन्ट, इमरजेन्सी पब्लिक रिलेशन। जनसंपर्क एवं मीडिया का अन्तर–सम्बन्ध।
इकाई –5
जनसंपर्क के लिए लेखन।
क्राइसिस मैनेजमेंट, ई–पब्लिक रिलेशन।
जनसंपर्क के संबंधित पक्ष–स्टैक होल्डर्स।
जनसंपर्क क्षेत्र : केंद्र एवं राज्य सरकार।

पाठ्य सामग्री :–

– लोकसंपर्क, राजेंद्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
– भारत में जनसंपर्क, बलदेव राज गुप्त।
– द प्रैक्टिस ऑफ पब्लिक रिलेशन, पी. फ्रासर, न्यूजसी।
– बेसिक जर्नलिज्म, रंगास्वामी पार्थसारथी, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।
– कार्पोरेट पब्लिक रिलेशन, पॉल बर्टन।
– राज्य सरकार और जनसंपर्क, वहीद अहमद काजमी, प्रकाशन विभाग।
– पीआर मैनेजमेंट इन मीडिया एंड जर्नलिज्म, जगदीश वच्छानी।
– हेण्ड बुक ऑफ पब्लिक रिलेशन इन इण्डिया, डी0एस0 मेहता, एलाइड पब्लिसर, दिल्ली।
– पब्लिक रिलेशन्स, जे.एन. जेठवानी, स्टर्लिंग पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

09. रेडियो

इकाई –1
रेडियो पत्रकारिता, परिचय, रेडियो का इतिहास,स्वतन्त्रता के बाद भारत में रेडियो का विकास,रेडियो की विशेषताएं,पहुंच,राष्ट्रीय विकास में रेडियो की भूमिका, जन माध्यम के रूप में रेडियो की भूमिका।
इकाई –2
रेडियो लेखन– रेडियो लेखन के सिद्धांत,आलेख की अनिवार्यता, शब्द, ध्वनि प्रभाव, श्रोता– समुदाय की जानकारी, रेडियो समाचार लेखन व टीवी समाचार लेखन में अंतर।
रेडियो से संबंधित उपकरण व उनका प्रयोग, रेडियो स्टेशन का सेटअप,रेडियो ध्वनि रिकाडिंग,रेडियो तकनीक, रेडियो न्यूज रूम, समाचार वाचक,समाचार वाचन की शैली।
इकाई –3
रेडियो कार्यक्रमों का संक्षिप्त परिचय– संगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय, लोक एवं जनजातीय/आदिवासी। मौखिक शब्द : वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार, प्रश्नोत्तरी, कहानी और कविता पाठ, वृत्तचित्र, रेडियो पत्रिका, नाटक, समाचार रील और समाचार बुलेटिन, युवाओं, महिलाओं और बच्चों के लिए कार्यक्रम, फोन इन, वॉइस मेल, संस्कृत समाचार।
इकाई –4
रेडियो के लिए विशेष लेखन–रेडियो पठकथा की भाषा, रेडियो पटकथा के प्रकार, रेडियो साक्षात्कार की योजना व तैयारी। रेडियो रिपोर्टिंग की मूलभूत बातें, रेडियो समाचार का निर्माण एवं सम्पादन।
इकाई –5
ब्राडकास्ट पालिसी,रेडियो उद्योग की ग्रोथ, आल इंडिया रेडियो, रेडियो पत्रकारिता में कैरियर।
एफएम ब्राडकास्ट, एफएम रेडियो, कम्यूनिटी रेडियो एंड कैंपस रेडियो,डिजीटल ओडियो ब्राडकास्टिंग,सेटेलाइट रेडियो, विजवल रेडियो, ब्राडकास्टिंग कोड, इण्टरनेट रेडियो।

पाठ्य सामग्री :–
–सेटेलाइट इनवेंसन इन इंडिया, एस भट्ट।
–द मास कम्यूनिकेशन, कुमार अरविंद।
–ब्रॉडकॉस्टिंग टेक्लोलॉजी, डॉ0 एच0ओ0 श्रीवास्तव।
केवल जे कुमार, मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया, जेको पब्लिकेशन मुबई।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

10–प्रोजेक्ट एवं प्रिंट मीडिया प्रशिक्षण

यह प्रोजेक्ट प्रिंट मीडिया पर केंद्रित होगा। इसमें फीचर, हार्ड न्यूज, फॉलोअप, संपादकीय, अग्रलेख आदि से संबंधित सामग्री शामिल होगी। इसी के साथ एक महीने की प्रिंट मीडिया हाउस में व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों द्वारा किया जायेगा।

———————————————————————————————————————

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में दस प्रश्न होंगे, यह सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। विषय–विशेषज्ञ इस खंड में पांच प्रश्न भी पूछ सकता है।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

तृतीय सेमेस्टर :–

11. टेलीविजन पत्रकारिता।
12. मीडिया शोध।
13. संस्कृत पत्रकारिता।
14. विकास संचार।
15. सूचना तकनीक एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग।

11. टेलीविजन पत्रकरिता

इकाई – 1
टेलीविजन का संक्षिप्त इतिहास, दूरदर्शन के चैनल।
भारत में निजी चैनलों का उद्‌भव एवं विकास ।
भारत में टीवी पत्रकारिता की वर्तमान दशा एवं दिशा।
इकाई – 2
टीवी रिपोर्टिंग, रिपोर्टर के कार्य, रिर्पोटर के स्रोत, रिर्पोटर के प्रकार, गुण, लाइव रिपोर्टिंग से संबधित तकनीकी जानकारियां, शब्दावलियां, फोनो, ओबी वेन, पीसीआर, एमसीआर, इन पुट, आउट पुट।
इकाई – 3
टीवी समाचार लेखन के सिद्धांत,टीवी कार्यक्रमों की संरचना,लिखित पटकथा का दृश्यांकन, लेखन के तत्व, न्यूज रूम, न्यूज रूम की कार्यशैली, एंकरिंग,प्रोडक्शन कक्ष, बुलेटिन, वृतचित्र, रिसीवर एवं ट्रांसमीटर।
इकाई –4
वीडियो एंड केवल टीवी, सेटेलाइट टीवी का स्वामित्व, नियंत्रण एवं नियमन (आनरशिप,कंट्रोल एंड रेग्यूलेशन आफ टेलीविजन) केवल टेलीविजन नेटवर्कस रेग्यूलेशन एक्ट, 1995, ब्राड कास्ट बिल 2000, वीडियों एंड केबल टेलीविजन, न्यूज ब्राडकास्टर्स ऐसोशिएसन, आचार संहिता (कोड आफ एथिक्स), महत्वपूर्ण केवल नेटवर्क।
इकाई –5
शैक्षणिक टीवी (एजुकेशनल टीवी), टेलीविजन एंड हायर एजुकेशन, टेलेन्ट शो, रियलिटी शो, शोप ओपेरा, हम लोग।
वर्गीस समिति, प्रसार भारती बिल, प्रसार भारती अधिनियम, ब्राडकास्टिंग बिल, ब्राडकास्ट रेग्युलेशन बिल –2007।

पाठ्य सामग्री :–

मास कम्यूनिकेशन–इन इण्डिया, केवल जे0 कुमार, जेको पब्लिकेशन।
इंडिया–2010, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
भारत में रेडियो और टीवी का विकास, प्रकाशन विभाग।
पीसी चर्टजी, ब्राडकास्टिंग इन इंडिया,सेज, नई दिल्ली।
टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, मुस्तफा जैदी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
विडियो प्रोडक्शन, बासुकि बेलावडी, ऑक्सफोर्ड प्रेस, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

12. मीडिया शोध

इकाई –1
शोध परिभाषा, स्रोत, शोध प्रक्रिया, शोध का क्षेत्र, शोध विधियां।
इकाई –2
जनसंचार शोध ऐतिहासिक संदर्भ, भारत में जनसंचार शोध, जनसंचार शोध की समस्याएं, जनसंचार शोध एवं समाज।
इकाई –3
शोध समस्या, परिकल्पना एवं शोध प्रारूप, अनुसूची, प्रश्नावली, प्रश्नावली व अनुसूची में अंतर, निदर्शन, निदर्शन प्रविधियां, निर्दशन के प्रकार, विशेषताएं, लाभ, शोध प्रतिवेदन लेखन।

इकाई –4
प्रमुख शोध विधियां –अर्न्तवस्तु विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्वति, प्रयोगात्मक पद्वति, केस स्टडी।
इकाई –5
शोध में सांख्यकीय की भूमिका (सांख्यकीय विधियां, अर्थ और परिभाषा, सांख्यकीय आंकडों का मापन), केन्द्रिय प्रवृति एवं विचलन, माप – सहसंबध।

पाठ्य सामग्री :–

राय पारस नाथ एवंराय सीपी, अनुसंधान परिचय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा।
सोशल रिसर्च, एम शॉफिल्ड, हैनीमैन एजुकेशन बुक्स, लंदन।
इंट्रोडक्शन टू कम्यूनिकेशन रिसर्च, जॉन सीरेनार्ड।
रिसर्च मैथ्डोलॉजी, सीआर कोठारी, बिले ईस्टर्न लिमिटेड, नई दिल्ली।
मॉस मीडिया रिसर्च, विमर रोजर डी, डोमनिक जोसेफ आर, थामसन, न्यूयार्क।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

13. संस्कृत पत्रकारिता

इकाई –1

संस्कृत पत्रकारिता उद्‌भव एवं विकास, संस्कृत पत्रकारिता कालक्रम। संस्कृत पत्रकारिता की प्रमुख घटनाएं। आजादी से पूर्व भारत में संस्कृत पत्रकारिता।

इकाई –2

भारत में संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास, उत्तराखण्ड में संस्कृत पत्रकारिता, वर्तमान संदर्भ में संस्कृत पत्रकारिता। संस्कृत पत्रकारिता चुनौतियां एवं संभावनाएं।

इकाई –3

संस्कृत समाचार पत्र, पत्रिकाएं, संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का प्रसार। संस्कृत पत्रकारिता पर शोध एवं ऐतिहासिक मूल्यांकन अर्नेस्ट हास, मैक्स मूलर व एलडी बर्नेट्।

या

शब्द रूप (पुलिंग, स्त्री लिंग, नपुसंक लिंग) अजन्त, हलन्त।

इकाई –4

साइबर मीडिया में संस्कृत लेखन का विकास, संस्कृत पत्रकारिता में कम्प्यूटर का महत्व, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं संस्कृत पत्रकारिता, प्रिंट मीडिया एवं संस्कृत पत्रकारिता। न्यू मीडिया और संस्कृत पत्रकारिता।

या

सन्धि ज्ञान (यण्, अयादि, वृद्धि, पर्ररूप) दीर्घ, व्यंजन सन्धि। संस्कृत शब्दावलियां।

पाठ्य सामग्री :–

1– संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास।
2– प्रौढ़ रचपानुवाद कौमुदी, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
3– संस्कृत समाचार पत्र–पत्रिकाएं एवं शोध जर्नल।
4– आदि पत्रकार नारद एवं उनकी पत्रकारिता, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लॉसिकल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

14. विकास संचार

इकाई 01 :– विकास : अर्थ, अवधारणा, प्रक्रिया, विकास के मॉडल, विकास के सिद्धान्त, विकास के चरण, विकास की समस्याएं, विकसित और विकासशील देश : विशेषताएं, अन्तर।

इकाई 02 :– विकास संचार : अर्थ, अवधारणा, परिभाषा एवं सिद्धान्त। डेनियल लर्नर, विल्बर श्रैम एवं एवरेट रोजर के विकास संचार सिद्धान्त। नवीनता, नवीनता प्रसार एवं चरण।

इकाई 03 :– विकास संचार में मीडिया की भूमिका, विकास संचार में परम्परागत माध्यमों का उपयोग, विकास संचार एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया : रेडियो, टीवी एवं नवमाध्यम।

इकाई 04 :– सहभागी विकास संचार : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा, विकास संचार के समक्ष चुनौतियाँ, विकास सम्बन्धित गतिविधियाँ– विकास पर केन्द्रित भारतीय विकास संचार वैयक्तिक अध्ययन (केस स्टडी)।

इकाई 05 :– लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण, पंचायतीराज व्यवस्था, प्रजातंत्र एवं विकास संचार, विकास का गाँधीवादी दृष्टिकोण, कृषि संचार, विकास संचार और स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विकास संचार एवं ग्रामीण विकास, विकास संचार एवं समाज।

पाठ्य सामग्री :–

विकास पत्रकारिता, राधेश्याम शर्मा।
डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन, सदानन्द नैयर।
डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन, मिखाइल क्यूजेक।
कम्युनिकेशन फॉर डेवलपमेंट इन थर्ड वर्ल्ड, केएस नैयर, सेज पब्लिकेशन, दिल्ली।
पर्सपेक्टिव ऑन डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, सेज पब्लिकेशन, दिल्ली।
कम्यूनिकेशन फॉर डवलपमेंट इन द थर्ड वर्ल्ड–थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस इमपावरमेंट, श्रीनिवास आर. मेलकोटे, एच. लेसली स्टीवस, सेज, नई दिल्ली।
डेवलपमेंट कम्यूनिकेशन–थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस, उमा नरुला, हर आनन्द, नई दिल्ली।
पत्रकारिता और विकास संचार, डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय, भारतीय प्रकाशन, वाराणसी।
पत्रकारिता एवं जनसंचार : सिद्धान्त और विकास संचार, डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय, भारतीय प्रकाशन, वाराणसी।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

15. सूचना तकनीक एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग

इकाई– 1
भारत में सूचना तकनीक का इतिहास, विश्व में सूचना तकनीक का संक्षिप्त इतिहास, न्यू कम्प्यूटर पालिसी (1984),नेशनल टेलीकम्यूनिकेशन पालिसी (1984), रेग्यूलेटिंग टेलीकम्यूनिकेशन।
इकाई –2
सूचना तकनीकों का भारत में विकास, भविष्य और इसकी उपयोगिता, भारत में सूचना क्रान्ति, इनफारमेशन सुपर हाईवे, सिविल सोसाइटी और सोशल मूवमेन्ट, सोशल नेटवर्क।
इकाई –3
ग्लोबलाईजेशन, ई–बेंकिंग, ई–गर्वनेन्स, सूचना तकनीक पर राष्ट्रीय कार्यदल, गेमिंग उद्योग, आनलाइन गेंमिंग इनडस्ट्री, इनफॉरमेशन वार्स।
इकाई –4
कम्प्यूटर का प्रारंभिक ज्ञान, प्रिंट मीडिया में कम्प्यूटर का उपयोग, प्रिंट मीडिया में साफ्टवेयरों की सामान्य जानकारी।
इकाई –5
कम्प्यूटर संबधित डिजाइनिंग, मल्टी मीडिया एवं एनीमेशन।

पाठ्य सामग्री :–

केवल जे कुमार, मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया, जेको पब्लिशिंग हाउस, मुबई।
अर्जुन एपी दुरई, मार्डनिटी एटलार्ज– कलचरल– डायमेन्सन आफ ग्लोबलाइजेशन,
आक्सफोर्ड यूनिवसिंर्टी, प्रेस।
अशोक वी देशाई, इंडियाज टेलीकम्यूनिकेशन इंडस्ट्री– हिस्ट्री एनलाइसिस, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
एनसाइक्लोपीडिया डिक्शनरी ऑफ मल्टीमीडिया, करण सरीन, आईपीवाई पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
साइबर मीडिया जर्नलिज्म, आथर्स प्रेस, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

चतुर्थ सेमेस्टर :–

16. अन्तर्राष्ट्रीय संचार।
17. सिनेमा।
18. मीडिया उद्यमिता एवं प्रबन्धन।
19. न्यू मीडिया एवं साइबर कानून।
20. लघुशोध प्रबन्ध या प्रोजक्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रशिक्षण।

16. अंतर्राष्ट्रीय संचार

इकाई –1
विश्व की औपनिवेशिक संरचना, सूचना के स्वतन्त्र प्रभाव की अवधारणा, अर्थ, व्यापार, सहयोग, मीडिया और अंतरराष्ट्रीय संबधों की समकालीन प्रवृति, विश्व के प्रमुख देशों में मीडिया की स्थिति– भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, एवं चीन।
इकाई –2
विकसित एंव विकासशील देशों के बीच सूचना संतुलन, बहस और विकास, समाचार प्रवाह के विवाद, नवीन विश्व सूचना एवं संचार व्यवस्था (न्यूको), न्यूको का रूप, लक्षण, न्यूको विस्तार, मेक ब्राइड आयोग, संस्तुतियां।
इकाई –3
अंतर्राष्ट्रीय सूचना समिति एवं सगठन, समाचार समितियों की प्रकृति एवं कार्य पद्धति, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समितियां (एसोसिएटेड प्रेस, यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल, एएफपी, रायटर्स, इतर तास), अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन समाचार समिति।
इकाई –4
संचार विकास के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण, बीबीसी, वॉयस ऑफ अमेरिका, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, यूनेस्को, अंतर्राष्ट्रीय जनसंचार माध्यम।
इकाई –5
कन्वर्जेन्स, संचार का कन्वर्जेन्स, कन्वर्जेन्स माडल, समाचार असंतुलन, (न्यूज इंबेलैन्स), इंटर नेशनल न्यूज–फ्लो। नैम न्यूज, साफ्टा।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रसारण से सम्बन्धित सम–सामयिक मुद्दे, इन मुद्दों का सांस्कृतिक–सामाजिक प्रभाव।

पाठ्य सामग्री :–

मास कम्यूनिकेशन इंन इण्डिया, केवल जे कुमार, जेको पब्लिकेशन।
जनसंचार एवं पत्रकारिता, आर0 गुप्ता, रमेश पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
मैनी वॉंयसेस, वन वर्ल्ड, यूनैस्को प्रकाशन।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

17. सिनेमा

इकाई 01 :– सिनेमा : परिचय, भारत में सिनेमा का इतिहास, प्रारम्भिक दौर, मूक फिल्में, सवाक फिल्में, व्यावसायिक एवं कला फिल्में, सेंसर बोर्ड।

इकाई 02 :– विश्व सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारम्भिक दौर, विभिन्न सिनेमा मूवमेंट : जर्मन एक्प्रेसनिश्म, इटैलियन निओ–रियलिश्म, फ्रेंच न्यू वेव।

इकाई 03 :– विश्व सिनेमा : तकनीकी विकास, हॉलिवुड स्टूडियो प्रणाली, विश्वयुद्ध का सिनेमा पर प्रभाव सिनेमा में ध्वनि, फिल्म शैलियां (फिल्म जोनर)।

इकाई 04 :– सिनेमा अध्ययन के दृष्टिकोण : ऑट्यरि थ्योरी, फॉर्मलिस्ट थ्योरी, साइको एनालिटिकल थ्योरी, स्क्रीन थ्योरी, स्ट्रक्चरलिस्ट थ्योरी, मार्क्सिस्ट फिल्म थ्योरी, फैमिनिस्ट फिल्म थ्योरी, सोश्यलिस्ट फिल्म थ्योरी, रियोलिज्म थ्योरी।

इकाई 05 :– भारत में फिल्म स्टूडियो : परिचय, प्रभात स्टूडियो, बाम्बे टॉकीज, विश्व सिनेमा का भारतीय सिनेमा पर प्रभाव, सत्यजित रे, ऋत्विक घटक, मृणाल सेन, गुरुदत्त और राजकपूर के योगदान, क्षेत्रीय सिनेमा, भारतीय सिनेमा और उदारीकरण, भारतीय सिनेमा और संस्कृत, एफ.टी.आई.आई.।

पाठ्य सामग्री :–

–द मास कम्यूनिकेशन, कुमार अरविंद।
–एन इन्ट्रोडक्सन टू वर्ल्ड सिनेमा, ऐसिटाडस गजेटस, मैकफारलैण्ड।
–सिनेमा स्टडीज : द की कॉनसेप्ट्स, सुसैन हैवर्ड, रुकलेस।
–मांस कम्यूनिकेशन इन इण्डिया, केवल जयकुमार, जायको पब्लिकेशन, मुबई।
–आवर फिल्मस देयर फिल्मस, सत्यजीत रे, ओरिएण्ट ब्लैक स्वान।
–स्पीकिंग ऑफ फिल्म, सत्यजीत रे, पेंग्वीन इण्डिया।
–हालीवुड वॉलीवुड, अनवर जमाल सैबल चटर्जी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

18. मीडिया उद्यमिता एवं प्रबन्धन

इकाई –1
प्रबंधन, अर्थ, उद्देश्य, सिद्धांत एवं महत्व, मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन प्रबंधन व उत्पादन, संस्थाएं–डीएवीपी, आईएनएस, आरएनआई, दैनिक समाचार पत्रों की आर्थिकी, समाचार पत्र व पत्रिका शुरू करने की प्रक्रिया।
इकाई –2
प्रिंट मीडिया प्रबंधन– उद्देश्य, समाचार पत्रों का प्रबंधन एवं संगठन, पत्रिकाओं का प्रबंधन एवं संगठन, संपादकीय विभाग, प्रबंध विभाग, यांत्रिक विभाग, समाचार समितियों का प्रबंधन एवं संगठन।
इकाई –3
इलेक्ट्रानिक मीडिया के विभाग एवं संगठनात्मक ढांचा, उद्देश्य, इन पुट, आउट पुट व अन्य विभाग, इन पुट व आउट पुट विभाग की कार्यशैली।
इकाई –4
प्रसार की रणनीति।
मीडिया से संबंधित विभागों का ढांचा एवं प्रबन्धन।
विशेष व आपात कवरेज के लिए बजटिंग।
ओनरशिप व उनके प्रकार।
विभिन्न वेज बोर्ड।
इकाई –5
मीडिया उद्यमिता :
भारत में मीडिया उद्योग पर एक नजर।
मीडिया उद्योग की जरूरतें और समस्याएं।
मीडिया उद्योग का आर्थिक पहलू, विदेशी निवेश।
दुनिया व भारत के प्रमुख मीडिया घराने।
मीडिया उद्यमिता का प्रशिक्षण।

पाठ्य सामग्री :–

विज्ञापन प्रबंधन, डॉ0 निशांत सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
दूरदर्शन – विकास से बाजार तक, सुधीश पचोरी, प्रकाशन विभाग भारत सरकार।
मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया, केजे कुमार, जेको प्रकाशन, नई दिल्ली।
विश्व मीडिया बाजार, डॉ0 कृष्ण कुमार नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ0 राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन।
मीडिया में करियर, पीएल आर्य, ग्रंथ अकादमी।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

19. न्यू मीडिया एवं साइबर कानून

इकाई –1
न्यूमीडिया की अवधारणा
इंटरनेट व साइबर जर्नलिज्म का विकास।
इकाई –2
साइबर जर्नलिज्म : समस्याएं और संभावनाएं
ब्लॉगिंग, इंटरनेट लेखन, माइक्रो ब्लॉगिंग–ट्विटर।
इकाई –3
न्यूज पोर्टल, वेबसाइट, प्रमुख सर्च इंजन
प्रमुख न्यूज साइट्स
ई–पेपर
इकाई –4
सोशल नेटवर्किंग साइट्स। वाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंकडिन, सोशल नेटवर्किंग साइट्स एवं मास मीडिया– महत्व एवं उपयोग।
इकाई –5
साइबर अपराध एवं साइबर कानून।
मोबाइल–न्यूज।
सामाजिक परिवर्तन के माध्यम के रूप में साइबर मीडिया।

पाठ्य सामग्री :–

–कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी, मीडिया पॉलिसी एण्ड नेशनल डेवलपमेंट कंसैप्ट पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
–साइबर मीडिया जर्नलिज्म : इमर्जिंग टेक्निक्स, जगदीश चतुर्वेदी, ऑथर प्रेस।
–साइबर मीडिया एण्ड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कुमुद कुंडू, मंगलम पब्लिकेशन दिल्ली।
–इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं साइबर पत्रकारिता, राकेश कुमार, नटराज प्रकाशन दिल्ली।
–इंटरनेट जर्नलिज्म इन इंडिया, ओम गुप्ता कनिश्का पब्लिकेशन।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

20–लघुशोध प्रबंध या प्रोजेक्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रशिक्षण :–

छात्र–छात्राओं को मीडिया सा सम्बद्ध जनसंचार के विषयों में लघुशोध करना होगा या अपनी पसन्द के पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में यथा :– रेडियो, टीवी, विज्ञापन, जनसंपर्क, न्यू मीडिया आदि में प्रोजेक्ट करने होंगे। प्रोजेक्ट के तहत सभी छात्र–छात्राओं को इलैक्ट्रोनिक मीडिया (रेडियो/टीवी/न्यू मीडिया)/विज्ञापन/जनसंपर्क में ट्रेनिंग करनी होगी। इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत 100 अंकों की मौखिक परीक्षा बाह्य परीक्षकों द्वारा ली जायेगी।

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :–तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रत्येक प्रश्नपत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी दस प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। विषय विशेषज्ञ इस खण्ड में 05 प्रश्न भी पूछ सकता है।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एम.ए. (जर्नलिज्म) [मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)]

पत्रकारिता में आचार्य

पाठ्यक्रम कोड	–	MAJ
माध्यम	–	हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी।
सेमेस्टर	–	04 (चार)।
प्रथम सेमेस्टर	–	पांच प्रश्नपत्र।
द्वितीय सेमेस्टर	–	पांच प्रश्नपत्र। (पंचम प्रश्नपत्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट व व्यवहारिक प्रशिक्षण का होगा)।
तृतीय सेमेस्टर	–	पांच पेपर।
चतुर्थ सेमेस्टर	–	पांच पेपर। (पंचम प्रश्नपत्र–लघुशोध (MAJ- 20) अथवा प्रोजेक्ट (MAJ- 21) पर आधारित होगा)।
कार्यक्रम कोड	–	1. MAJ-01 to MAJ -05 (प्रथम सेमेस्टर)। 2. MAJ -06 to MAJ-10 (द्वितीय सेमेस्टर)। 3. MAJ -11 to MAJ-**15** (तृतीय सेमेस्टर)। 4. MAJ - 16 to MAJ- 21 (चतुर्थ सेमेस्टर)।
प्रस्तुत पाठ्यक्रम	–	दो वर्ष का है, जिसमें चार सेमेस्टर होंगे।
अंक निर्धारण	–	लिखित परीक्षा (प्रत्येक प्रश्नपत्र–80 अंक का होगा, यह तीन खण्डों में विभाजित होगा, प्रथम खण्ड से 02 प्रश्नपत्र करने होंगे, जो 20–20 अंक का होगा, द्वितीय खण्ड से 02 प्रश्न करने होंगे जो 10–10 अंक के होंगे, तथा तृतीय खण्ड 20 अंकों का होगा, इसमें सभी प्रश्न अनिवार्य रूप से करने होंगे)। विषय–विशेषज्ञ 10 प्रश्न या 05 प्रश्न पूछ सकता है। यदि 10 प्रश्न होंगे तो प्रत्येक 02 अंक और यदि 05 प्रश्न होंगे तो प्रत्येक 04 अंक का होगा।
उत्तीर्णांक	–	प्रत्येक सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों का कुल योग 48% अंक प्राप्त करने होंगे (कृपांक की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगी)।
उत्तीर्ण न्यूनतम्	–	38% अंक।
अंक सुधार	–	प्रत्येक छात्र एक सेमेस्टर में एक विषय में ही अंक सुधार की परीक्षा दे सकता है। अंक सुधार के लिए अलग से परीक्षा फार्म भरना होगा।
प्रवेश तिथि	–	जुलाई द्वितीय सप्ताह से 31 अगस्त तक।
सेमेस्टर परीक्षा	–	दिसम्बर के तृतीय सप्ताह में (प्रथम व तृतीय सेमेस्टर)
	–	मई द्वितीय सप्ताह (द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर) यह अनुमानित है।